अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 फीकी चमक...
6 पंजाब पर मिली रोमांचक जीत के बाद .....
7 वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग की पहल कर भोपाल ने दिया है ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-17 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 09 मई से 15 मई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

दिल्ली मेट्रो में 'क्यूआर कोड' आधारित टिकट सुविधा की हुई शुरुआत

इस सुविधा के शुरू होने से यात्री अब टोकन के अलावा क्यूआर कोड आधारित पेपर टिकट का उपयोग कर सकेंगे। मेट्रो के इतिहास में यह पहला मौका है जबकि मेट्रो में टिकट के लिए कागज का इस्तेमाल हो रहा है।

इस सुविधा के लिए डीएमआरसी ने अपने एएफसी (आटोमैटिक फेयर कलेक्शन) गेट और टोकन उपभोक्ता देखभाल केंद्र को क्यूआर आधारित पेपर टिकटों से किराया काटने के लिए जरूरी इंतजाम के साथ अपग्रेड किया है। शुरू में क्यूआर आधारित पेपर टिकटों द्वारा यात्रा के लिए सभी स्टेशनों पर प्रवेश और निकास के लिए दो एएफसी गेटों को अद्यतन किया गया है।

इस महीने के अंत तक मोबाइल आधारित टिकट को भी शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे यात्रियों का सफर और अधिक निर्बाध, आसान व उनके समय की भी बचत होगी क्योंकि इससे यात्रियों की स्टेशनों या काउंटरों पर भौतिक रूप से टिकट खरीदने की जरूरत समाप्त हो जाएगी।

वर्तमान में क्यूआर आधारित पेपर टिकट केवल एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन के लिए ही जारी किया जाएगा। यदि यात्री किसी बीच के स्टेशन से बाहर निकलना चाहता है, यानी गंतव्य स्टेशन से पहले तो एएफसी गेट क्यूआर कोड आधारित पेपर टिकट का उपयोग करने से नहीं खुलेंगे, कस्टमर केयर आपरेटर के द्वारा यात्री को मुफ्त निकास टिकट जारी किया जाएगा।

कांग्रेस के खिलाफ बजरंग दल ने खोला मोर्चा, देशभर में करेगा हनुमान चालीसा का पाठ

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में ऐलान किया है कि सत्ता में आने पर वह पीएफआई, बजरंग दल समेत नफरत फैलाने वाले संगठनों पर बैन लगाएगी।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग 10 मई को होगी। वहीं चुनाव प्रचार के दौरान बजरंग बली और बजरंग दल का मुद्दा छाया रहा। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में ऐलान किया कि सत्ता में आने पर वह पीएफआई, बजरंग दल समेत नफरत फैलाने वाले संगठनों पर बैन लगाएगी। वहीं इसके बाद ये मुद्दा पूरे देश में छा गया। वहीं अब वोटिंग से एक दिन पहले यानी आज विश्व हिंदू परिषद् और बजरंग दल पूरे देश में हनुमान चालीसा का पाठ करेगा।

बता दें कि बजरंग दल के अलावा विश्व हिंदू परिषद भी हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन करेगा। VHP के महासचिव मिलिंद परांडे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, कांग्रेस और अन्य संगठनों और कार्यकर्ताओं को सद्बुद्धि देने के लिए हनुमान चालीसा के पाठ का ऐलान किया गया है। कांग्रेस आतंकवादियों, विरोधी ताकतों की वकालत और प्रचार करने के लिए खड़ी है।

मिलिंद परांडे ने आगे कहा, कांग्रेस ने कर्नाटक में अपने घोषणापत्र में

बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है, जो बहुत ही शर्मनाक है। कांग्रेस के घोषणा पत्र के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में कुछ हिंदू विरोधी नेताओं ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। बजरंग दल की तुलना राष्ट्र विरोधी, आतंकवादी हिंसक संगठन पीएफआई के साथ करना तर्कहीन है। हिंदू समाज इस अपमान के लिए लोकतांत्रिक रूप से सबक सिखाएगा।

टेरर फंडिंग के खिलाफ हद्ध की बड़ी कार्रवाई, इन जगहों पर चल रही छापेमारी

इसके पहले 2 मई को भी एनआईए ने जम्मू कश्मीर के 6 जिलों में छापेमारी की थी।

टेरर फंडिंग के खिलाफ NIA की बड़ी कार्यवाही चल रही है। जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी कई जगहों पर छापेमारी कर रहा है। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर, अनंतनाग, कुपवाड़ा, शोपियां, राजौरी और पुंछ में एनआईए की टीम छापेमारी कर रही है। हालांकि अभी तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी छापेमारी जारी है।

बताया जा रहा है कि NIA की टीम 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। कुलगाम में एनआईए की टीम वर्तमान में रामपोरा कियामोह स्थित नबी शेख के बेटे रऊफ अहमद शेख के आवास पर छापेमारी कर रही है। वहीं अनंतनाग में एक अलग ऑपरेशन में एनआईए की टीम ने बस स्टैंड खिराम में रहने वाले अब गफ़र हाजी के बेटे एचसी जेकेएपी मोहम्मद इकबाल हाजी के आवास पर छापा मारा है।

इसके पहले 2 मई को भी एनआईए ने जम्मू कश्मीर के 6 जिलों में छापेमारी की थी। आतंकी समूहों द्वारा पाकिस्तानी कमांडरों के इशारे पर रची गई आपराधिक साजिश को लेकर छापेमारी हुई थी। इस दौरान छह जिलों के 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।इससे पहले 20 अप्रैल को पुंछ जिले में हुए आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों ने सेना के वाहन पर तब गोलीबारी की जब वह भीमबेर गली से पुंछ जिले के सांगियोत जा रहा था।

बॉर्डर एक्शन टीम जिसमें पाकिस्तानी सेना के कमांडो और सुरक्षाकर्मियों के सिर काटने के लिए कुख्यात आतंकवादी शामिल हैं उनको पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में देखा गया है। सूत्रों ने कहा कि राजौरी और पुंछ सेक्टरों के आसपास पीओके में लंजोट, निकल, कोटली और खुइरत्ता से आतंकवादी गतिविधियों की सूचना मिली थी। शोपियां में एनआईए हसन बाबा के बेटे फैयाज अहमद बाबा और उनके बेटे सुहैब अहमद बाबा से भी पूछताछ कर रही है। साथ ही उनकी किराने की दुकान की बही-खातों की जांच भी कर रही है। चनपोरा गांव में भी छापा मारा गया।

सुप्रीम कोर्ट में बोले दुष्यंत दवे- मीलॉर्ड! अमित शाह ने मुस्लिम कोटा हटाने का जिक्र किया, जस्टिस ने कहा- यह उचित नहीं

कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह ने कहा था, '4ब मुसलिम आरक्षण हमारी पार्टी ने ही खत्म किया है, क्योंकि वो गैर-संवैधानिक था।'

कर्नाटक में चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। इस मुद्दे पर सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे कर्नाटक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों का जिक्र सुप्रीम कोर्ट के सामने किया। जिस पर जस्टिस केएम जोसेफ, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने इस तरह की बयनबाजी पर नाराजगी जताई। के जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि जब मामला अदालत के समक्ष लंबित है, तब इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। यह उचित नहीं है।

सुनिश्चित करो मुख्तार की सुरक्षा, इलाहाबाद हाई कोर्ट का निर्देश

इलाहाबाद हाई कोर्ट की बेंच ने कहा कि मीडियाकर्मी को मुख्तार अंसारी का इंटरव्यू लेने की अनुमति नहीं होगी। जेल से आने और जाने के दौरान उनके साथ पुलिस कर्मी भी रहेंगे।

अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के तीन हफ्ते बाद यूपी की इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी पुलिस को मुख्तार अंसारी की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मीडियाकर्मियों को भी उसका इंटरव्यू करने पर रोक लगा दी है।

3 मई को आदेश पारित करते हुए जस्टिस डॉ. कौशल जयेंद्र ठाकर और शिव शंकर प्रसाद की खंडपीठ ने 15 अप्रैल को अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्याओं पर ध्यान दिया।

अंसारी की पत्नी अफशा अंसारी द्वारा 2021 में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाई कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक सहित संबंधित अधिकारियों से कहा कि मुख्तार अंसारी को एक जेल से दूसरी जेल में शिफ्ट करते समय

और किसी भी अदालत में पेश करते समय और रास्ते में या किसी अन्य जगह उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए।

सम्पादकीय

फीकी चमक

दुनिया के ज्यादातर देश पिछले कुछ समय से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर कई तरह की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं।

ऐसे में अगर भारत में सोने के आयात के मामले में भी गिरावट देखी जा रही है तो यह स्वाभाविक ही है। मगर चूंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सोने की अहमियत जगजाहिर है, इसलिए निश्चित रूप से इस गिरावट को एक चिंता के तौर पर ही देखा जाएगा।

हालांकि मौजूदा समय में दुनिया के ज्यादातर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मुद्रा और लेनदेन के स्वरूप में जिस तेजी से बदलाव आ रहा है, उसके मद्देनजर सोने की ओर आकर्षण लाजिमी है। लेकिन सवाल है कि आखिर सोने की खरीद के लिए हर स्तर पर जरूरी कारक या आर्थिक मजबूती को सुनिश्चित किए बिना अर्थव्यवस्था को उड़ान कैसे मिलेगी।

वाणिज्य मंत्रालय ने जो ताजा आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारत में सोने के आयात में 2022-23 में 24.15 फीसद की गिरावट आई और यह घट कर पैंतीस अरब डालर रह गया है। इसमें ऊंचे आयात शुल्क की भी खासी भूमिका मानी जा रही है। भारत में पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में 'पीली धातु' यानी सोने का आयात 46.2 अरब डालर रहा था।

यह माना जाता है कि सोने के आयात से देश के चालू खाते के घाटे को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इस बार सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में व्यापार घाटा दो सौ सड़सठ अरब डालर रहने का अनुमान है।

यह व्यापार घाटा इससे पिछले वित्त वर्ष में करीब एक सौ इक्यानबे अरब डालर रहा था। जाहिर है, सोने से जुड़े अर्थ-तंत्र में कई पहलू एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और इसकी खरीदारी के मामले में जो तस्वीर बनती है, उसका असर दूसरे क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को सोने के सबसे बड़े बाजार के तौर पर देखा जाता रहा है। सोने के आयात के जरिए देश के आभूषण उद्योग की मांग को भी पूरा किया जाता है। अगर मात्रा के लिहाज से देखें तो भारत सालाना करीब आठ सौ से नौ टन सोने का आयात करता है।

पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे समृद्धि में बढ़ोतरी हुई है, उसी मुताबिक सोने की मांग में भी इजाफा हुआ है। लेकिन पिछले दो-तीन साल में महामारी और पूर्णबंदी जैसे हालात की वजह से अर्थव्यवस्था को जो झटका लगा, उसमें लोगों की आय और क्रयशक्ति पर इसका सीधा असर पड़ा। फिर शादी जैसे समारोह टलने जैसी कुछ वजहों से सोने में निवेश पर नकारात्मक असर पड़ा है।

इसके समांतर समृद्धि का सूचकांक आमतौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करता है। यों सोना कुछ भी उत्पादन नहीं कर सकता है और इस तरह इसे एक अनुत्पादक संपत्ति के तौर पर देखा जाता है। इसकी वृद्धि इस विश्वास पर टिकी होती है कि भविष्य में इसके लिए ज्यादा भुगतान हासिल किया जा सकेगा।

इसी संदर्भ में अगर शेयरों या ऋण के माध्यमों में कोई निवेश किया जाता है तो यह देश की उत्पादकता और आर्थिक विकास में योगदान देगा। वैश्विक स्तर पर सोने को लेकर जैसा रुझान देखने में आ रहा है, उस लिहाज से देखें तो भारत में इसके आयात के मामले में खासी कमी निश्चित तौर पर थोड़ी चिंता की बात है। लेकिन यह भी सच है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अक्सर उतार-चढ़ाव की स्थिति आती रहती है और संभव है कि सोने के आयात के मामले में आई गिरावट का क्रम फिर जल्दी ही बदलेगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

कठिन है कुदरत की थाह

भारतीय मौसम को लेकर अनुमान है कि मई के मध्य तक पश्चिमी विक्षोभ नौ बार और हलचल मचाएंगे।

इस दौर में हम वापस कुदरत की शरण में जाकर कभी प्राकृतिक चिकित्सा, तो कभी प्राकृतिक खेती या जैविक खेती की ओर बढ़ते हुए स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रहे हैं तथा जड़ी-बूटी वनस्पतियों का उपयोग बढ़ा रहे हैं। तब क्या ऐसा नहीं लगता कि प्रकृति के मूल स्वरूप, जो उसका सौंदर्य भी है, को अपने स्वार्थ के लिए नष्ट-भ्रष्ट कर, विरूपित कर उसके साथ ज्यादती कर रहे हैं?

अक्सर बेमौसम तेज गर्मी या बेलगाम बारिश को जलवायु परिवर्तन से जोड़ कर देखा जाता है, तो प्रचंड गर्मी के मौसम में जबरदस्त बारिश और कंपकपा देने वाली सर्दी भी इन्हीं वजहों से बताई जाती है। आगे चलकर शायद यह सोच भी बदले, क्योंकि मौसम में अभी जो परिवर्तन दिखा, वह काफी अलग था और इतना कि तमाम वैज्ञानिक कारणों और धारणाओं से मेल भी नहीं खाता।

इसी फरवरी में एक सौ चालीस वर्षों के बाद अप्रैल जैसी गर्मी और मई जैसी तपन का अहसास हुआ। वहीं ठीक उलट अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में गर्मी के तेवर सख्त होते-होते ऐसे टूटे कि आखिरी हफ्ते से लेकर अब तक मौसम ने यों करवट बदला कि मानसूनी बारिश को भी धता बता दिया। वनस्पतियां तक मौसम से गच्चा खा गईं और दलदली जगहों पर सर्द दिनों की काली हल्दी मई में, वह भी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जैसे गर्म इलाके में, फूल उठी।

वहीं परंपरागत खेतीबाड़ी पर असर के चलते बेमौसम की यह बारिश चार से पांच दिन पहले बोई गई दलहनी फसलों के लिए भी बेहद हानिकारक है। आगे अप्रैल के आखिर और मई के शुरुआती दौर से जारी बारिश अगर कीर्तिमान भी बन जाए, तो हैरानी की बात नहीं। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह दौर मई के दूसरे पखवाड़े तक जारी रहेगा।

लेकिन मौसम को लेकर अब तक कभी कोई सटीक भविष्यवाणी या संभावनाएं शत-प्रतिशत परिणाम में बदली हों, ऐसा दिखा नहीं। हो सकता है कि कुछ ही दिनों बाद मई की गर्मी अपना रंग दिखाने लगे? बहरहाल, इतना जरूर है कि लाख वैज्ञानिक उपलब्धियां, शोध, यंत्र, वेधशालाएं, उपग्रह सब कुछ अपने-अपने काम पर लगे हैं, लेकिन तुनकमिजाज मौसम अक्सर इन्हें झुठला देता है।इस बार अप्रैल के आखिर और मई की शुरुआत से ही ऐसा दिखा। मौसम का यह मिजाज सारे किंतु-परंतु से अलग दिखता है, जिस पर भविष्यवाणियां भी प्रायः बेमानी सिद्ध होती हैं।

चाहे दक्षिण भारत हो या पूर्वी, मध्य या फिर उत्तरी हो, लगभग हर कहीं मौसम का यह मस्तमौला-सा बदला रुख सामने आया। लगभग सभी जगह तापमान सामान्य से दस-बारह डिग्री की जबरदस्त गिरावट के साथ कार्तिक-सा सुकून देने वाला बना हुआ है। पहाड़ों में बर्फबारी तो मैदानी इलाकों में जबरदस्त आंधी, बारिश और ओला वृष्टि हुई, जिससे मौसमी फसलों को अप्रत्याशित नुकसान भी बहुत ज्यादा हुआ।

वैज्ञानिक इस बदलाव को समुद्री हलचल से जोड़ कर देख रहे हैं। कुछ स्रोत तो मई में सावन-सी बारिश, बर्फबारी और ठंडक को बीते सारे रिकार्ड टूटना बताते हैं। हां, भरोसे की तस्वीरें सेटेलाइट से आती हैं वह भी इसलिए कि वे झूठ नहीं बोलतीं और बताती हैं कि लगभग पूरा देश मई के इस महीने में सामान्य से अधिक वर्षा से सराबोर है।

भारतीय मौसम को लेकर अनुमान है कि मई के मध्य तक पश्चिमी विक्षोभ नौ बार और हलचल मचाएंगे। फिलहाल, अब तक पांच बार इसी विक्षोभ के चलते तापमान में भारी गिरावट तथा बेमौसम बारिश हो रही है। मई के इस महीने में जब उत्तरी एशिया, यूरोप और कनाडा में तापमान की अप्रत्याशित वृद्धि ने वहां चिंता बढ़ा रखी है, तो हम उसके ठीक उलट लू के मौसम में ठंडक महसूस कर रहे हैं। इससे वैज्ञानिकों की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। इसलिए भी कि अचानक तूफान और बाढ़ के हालात के बावजूद कुछ क्षेत्रों में जबरदस्त सूखे जैसी भौगोलिक घटनाएं पैदा हो रही हैं, जो दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं।

पश्चिमी विक्षोभ हैं क्या, यह भी जानना जरूरी है। वास्तव में यह भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला वह तूफान है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भागों में अचानक बारिश लाता है। यह बरसाती मानसून से अलग होता है। जब अशांत हवाएं कम दबाव वाले क्षेत्र में होती हैं, यानी भूमध्यसागर, यूरोप के अन्य भागों और अटलांटिक महासागर में, तो यहां की नमी से बादल बनते हैं, जो भारत में पश्चिम दिशा से आते हैं।

इसलिए पश्चिमी विक्षोभ कहलाते हैं। अमूमन ये अफगानिस्तान, पाकिस्तान होकर भारत की ओर अधिक ऊंचाइयों पर तेज हवाओं के साथ आते हुए अपनी राह में भूमध्य सागर, काला सागर, कैस्पियन सागर और अरब सागर की नमी सोख लेते हैं। यही नमी भारत आते-आते बारिश और बर्फ में बदल जाती है।

इस पर मौसम विज्ञान का एक अध्ययन भी है, जिसे 'न्यूमेरिकल स्टडी आफ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ओवर वेस्टर्न हिमालयाज यूजिंग मेसोस्केल' माडल कहते हैं। वह भी यही बताता है कि जब पश्चिमी विक्षोभ हिमालय की ओर आता है, तो इसकी नमी बारिश और बर्फ में तब्दील हो जाती है। हवा के रुख के साथ-साथ ये बादल कभी उत्तरी पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, तो कभी उत्तर पूर्वी राज्यों की ओर बढ़ते हैं और कभी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार होते हुए दक्षिण की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार इसका असर पूरे देश में दिखता है। अभी वही हो रहा है।

इस बदलाव का असर हिमालय के ग्लेशियर पर होने से बर्फ भी तेजी से पिघल रही है, जो चिंताजनक है। हाल ही में उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बसी आबादी वाले क्षेत्रों में दरकन से हुई क्षति सामने है। केदारनाथ त्रासदी, चमोली की बाढ़, जिसे महाविनाश तक कहा गया, सबने देखा। ऐसी और भी अनेक घटनाएं सामने हैं।

इधर एक अध्ययन बताता है कि हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार शताब्दी की शुरुआत के मुकाबले दोगुनी हुई है। इसके उपलब्ध आंकड़े देखें तो 1975 से वर्ष 2000 तक ग्लेशियरों के पिघलने की मात्रा वास्तव में दोगुनी हुई। वैज्ञानिक इसकी वजह वही पुरानी यानी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन, प्रदूषण और प्रकृति विरोधी मानवीय गतिविधियां बताते और दावा करते हैं कि अगर इन पर अंकुश नहीं लगा तो दुनिया के शेष ग्लेशियरों का एक तिहाई से अधिक हिस्सा वर्ष 2100 से पहले पिघल जाएगा।

वहीं कई अलग धारणाएं भी हैं, जो इस बात से सरोकार न रखते हुए कहती हैं कि प्रकृति से बड़ा कोई नहीं। आज हम जो तमाम ईंधन जैसे कोयला, गैस, तेल, लकड़ी आदि का इस्तेमाल कर रहे हैं वह सब भी तो प्रकृति प्रदत्त हैं और करोड़ों वर्ष पहले भूगर्भीय हलचल से जमींदोज हुए जंगल, तत्कालीन प्राणियों के अवशेष ही तो हैं।

सच भी है, और लगता भी है कि प्रकृति को चुनौती देना आसान नहीं। जब भी असंतुलन बढ़ेगा, तो बहुत बड़ी भूगर्भीय हलचलों से इनकार भी नहीं किया जा सकता और न कोई इसे रोक पाएगा। सच तो यह है कि प्रकृति को चुनौती देना न तो आसान है और न ही इससे टकराव लेकर सुकून ही मिल पाएगा।

इस दौर में जब हम वापस कुदरत की शरण में जाकर कभी प्राकृतिक चिकित्सा, तो कभी प्राकृतिक खेती या जैविक खेती की ओर बढ़ते हुए स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रहे हैं तथा जड़ी-बूटी वनस्पतियों का उपयोग बढ़ा रहे हैं। तब क्या ऐसा नहीं लगता कि प्रकृति के मूल स्वरूप, जो उसका सौंदर्य भी है, को अपने स्वार्थ के लिए नष्ट-भ्रष्ट कर, विरूपित कर उसके साथ ज्यादती कर रहे हैं? प्रकृति उसी स्वरूप को वापस पाने के लिए जब-तब अपना रौद्र रूप किसी न किसी तरह दिखाती है।

इससे कभी हम आनंदित हो उठते हैं, तो कभी बेबस नजर आते हैं। यह भी शायद प्रकृति का बड़ा इशारा है, जिसे खोलना जरूरी है और वैज्ञानिकों के लिए भी यह नई चिंता और शोध का विषय है। मगर इतना तय है कि प्रकृति से ऊपर कोई नहीं।

लालबहादुर शास्त्री ने राजनीति से ऊपर रखे अपने नैतिक मूल्य - राज्यपाल पटेल

इन्दौर (अनिल चौधरी) देश के प्रति समर्पण, त्याग, तपस्या और बलिदान की प्रतिमूर्ति आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा के अनावरण का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य का अवसर है। देश के सबसे बड़े और महान नेताओं में से एक शास्त्री जी ने जो रास्ता हम सभी को दिखाया, उस पर चलना ही सच्चा राष्ट्र धर्म है। मैं यहां आज भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के बारे में चर्चा करते हुए खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं। मैं शास्त्री जी को पूरी श्रद्धा के साथ नमन करता हूं।

यह कहना है मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल का। पटेल रविवार को इंदौर में थे। राज्यपाल ने सांवेर रोड स्थित लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं मैनेजमेंट (एलबीएसआईटीएम) के इंदौर कैंपस में सुबह 11.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा का अनावरण किया।

सब मेरे साथ नारा लगाएंगे लाल बहादुर शास्त्री...अमर रहें...अमर रहें

अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए राज्यपाल पटेल ने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग मेरे साथ नारा लगाएंगे लाल बहादुर शास्त्री...अमर रहें...अमर रहें। राज्यपाल की इस अपील का कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पूरे दिल से सम्मान रखते हुए पूरे जोश के साथ शास्त्री जी अमर रहें का नारा लगाया। इसके बाद राज्यपाल ने लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों, राजनीतिक शुचिता औा सर्वोच्च नैतिक मूल्यों के बारे में चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि शास्त्री जी का चरित्र और राजनीतिक व नैतिक मूल्य इतने ऊंचे थे कि 1965 में केंद्रीय रेल एवं परिवहन मंत्री के उनके कार्यकाल के दौरान तमिलनाडु में हुई एक रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। भारतीय राजनीति में इस प्रकार के उदाहरण बिरले ही हैं।

इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. रेणु जैन, एलबीएसआईटीएम ग्रुप के चेयरमेन पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री और लाल बहादुर शास्त्री सेवा निकेतन के अध्यक्ष सुनील शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित थे।

एलबीएसआईटीएम ग्रुप के सलाहकार आदर्श शास्त्री ने अपने स्वागत भाषण में ग्रुप द्वारा देश के विभिन्न शहरों में संचालित शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संस्थाओं के बारे में जानकारी दी। आदर्श शास्त्री ने ग्रुप के इंदौर कैंपस की शुरुआत और यहां संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं इंडस्ट्रियल प्रशिक्षण संस्थान और सेवा निकेतन द्वारा सोलसिंदा व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में चलाए जा रहे प्रकल्पों और उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

जय जवान-जय किसान का नारा आज भी प्रासंगिक

ग्रुप के चेयरमेन पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री ने महामहिम राज्यपाल का इस कार्यक्रम में पधारने के लिए आभार जताते हुए कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रति लोगों की आज भी अगाध श्रद्धा है। मैं देश-विदेश के कई शहरों में आता-जाता हूं। जब लोगों को पता चला है कि मैं जय जवान-जय किसान का नारा देने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री का बेटा हूं तो लोग मेरे साथ सेल्फी लेने, फोटो खिंचवाने का आग्रह करते हैं। लेकिन मैं ये कहना चाहता हूं कि लोगों का यह व्यवहार मेरे प्रति नहीं बल्कि मेरे पिता के प्रति असीम सम्मान का प्रतीक है। वे लोग 1965 में पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर पटकनी देने वाले शास्त्री जी के बेटे में शास्त्री जी को महसूस करते हैं। शास्त्री ने कहा कि लाल बहादुर जी द्वारा दिया गया जय जवान-जय किसान का नारा आज भी प्रासंगिक है।

इससे पूर्व मंच पर उपस्थित अतिथियों ने लाल बहादुर शास्त्री जी और मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र, ग्रुप के लगभग सभी कैंपस से आए फैकल्टी मेंबर्स, बोर्ड मैंबर्स, सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इंदौर कैंपस की लाइब्रेरी एचओडी कविता नातू ने सभी अतिथियों को वृंदा (तुलसी) का पौध देकर स्वागत किया। मंच संचालन डॉ. गौरी ने किया। आभार इंदौर कैंपस के डायरेक्टर डॉ. दीपक अग्रवाल ने माना। राज्यपाल एवं डीएवीवी की कुलपति को ग्रुप के चेयरमेन अनिल शास्त्री ने स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

तेरे पास इतना पैसा और मकान कहां से आया

परिवार को खत्म कर दूंगा, पुलिस वाला बनकर धमकाया, केस दर्ज

इंदौर (अशोक सैनी)। एक युवक को फोन पर बदमाश ने पुलिस वाला बनकर धमकाया। मामले में चंदन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है ।

जानकारी के अनुसार चंदन नगर इलाके के चंदूवाला रोड पर रहने वाले अब्दुल कादिर पिता मोहम्मद रफीक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में पुलिस को बताया कि उसके मोबाइल फोन पर लगातार एक युवक खुद को पुलिसकर्मी बताकर गालियां देता है और जान से मारने की धमकी भी दे रहा है । अब्दुल कादिर ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसकी पत्नी बेटे और बेटी की हत्या करने की धमकी देते हुए कहता है कि तेरे पास इतना पैसा और मकान कहां से आया है । अगर मुझे पैसे नहीं दिए तो तुझे तेरे परिवार सहित खत्म कर दूंगा। आरोपी की धमकी से मैं और मेरा परिवार दहशत में है । चंदननगर पुलिस ने

हिंदू संगठनों ने किया थाने का घेराव

लव जिहाद, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ का जताया विरोध

इंदौर। महू के सेंटल कोतवाली थाने का घेराव करते हुए विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व अन्य हिंदू संगठनों ने नगर में प्रदर्शन किया। उन्होंने अनैतिक कार्यों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने के लिए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।

इस दौरान शहर में लगातार बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों के चलते शहर में लगातार लव जिहाद, इंदौर महू की उपनगरीय बसों में हिंदू बहन बेटियों के साथ छेड़छाड़, मंदिरों के आसपास मटन चिकन की दुकानें, बीच बाजारों में दुकानों पर काम करने वाले असामाजिक लोगों की हिंदू-बहन बेटियों के साथ छेड़छाड़ को लेकर चर्चा की।

रविवार को बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने कोतवाली थाने का घेराव कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 7 दिन के अंदर इन पर कार्रवाई नहीं होती है, तो हिंदू समाज उग्र आंदोलन करेगा। कोतवाली थाने पर उपस्थित एसडीएम राजेंद्र सिंह और डीएसपी दिलीप चौधरी ने शीघ्र कार्रवाई करने की बात कही।

टक्कर से किसान की मौत

इंदौर। बाणगंगा इलाके में रविवार को हुए सड़क हादसे में बाइक से घर जा रहे एक किसान की हादसे में मौत हो गई। बताया जाता है कि वह सड़क पर पैदल जा रहे दो युवकों से टकरा गए थे। इस दौरान सीमेंट की सड़क पर जा गिरे। सड़क के कॉर्नर से उनके सिर में गहरी चोट आई। उन्हें अरबिंदों अस्पताल ले जाया गया। यहां से डॉक्टरों ने किसान को एमवाय रैफर कर दिया। एमवाय में उपचार के दौरान रविवार रात को ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

वृद्धा से चेन, युवक से मोबाइल ले भागे

इंदौर। बाइक सवार बदमाशों ने दो स्थानों पर लूट की वारदातों को अंजाम दिया। एक घटना में वृद्धा के गले से सोने की चेन और दूसरी घटना में युवक से मोबाइल छिनकर भाग निकले। अन्नपूर्णा और विजय नगर पुलिस दोनों मामलों में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय दुर्गावती सतीश चंद निवासी सुदामा नगर ने अन्नपूर्णा पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह रात अपनी एक्टिवा गाड़ीसे घर जा रही थी तभी ऊषा नगर एक्सटेंशन के सामने पीछे से बाइक पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने उसके गले से सोने की चेन खींची और फरार हो गए । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकडने के लिए नाकेबंदी की मगर कहीं कोई का पता नहीं चला। पुलिस आरोपियों का पता लगाने के लिए घटना के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ लूट की धारा में केस दर्ज किया है।

इसी प्रकार स्कीम नंबर 74 में रहने वाले प्रफुल्ल पिता हरीश तिवारी ने पुलिस को बताया कि रविवार रात बजे वह विजय नगर चौराहे पर मोटरसाइकिल खड़ी कर मोबाइल फोन पर बात कर रहा था तभी दो अज्ञात बदमाश आए और उसे धक्का देकर मोबाइल फोन छीन कर भाग गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है।

सहजयोग से जानें कबीर दास जी द्वारा वर्णित-कुंडलिनी जागरण का गूढ़ रहस्य

कबीर सूषिम सुरति का,जीव न जाणे जाल
कहै कबीरा दूर करि, आत्म आदिष्टि

कालकबीर दास जी कहते हैं कि कुंडलिनी (सुरति) के सूक्ष्म (सुषुम्ना) मार्ग के रहस्य को जीव सहज में नहीं जान पाता अर्थात्

जीवात्मा सहजावस्था के सूक्ष्म मार्ग का रहस्य नहीं जानती। इसका रहस्य जानने के लिए वे कहते है कि, हे जीव! अपनी आत्मा (आत्म) की वह अज्ञानता (अदिष्टि) दूर कर, जिसके कारण तू इस संसार को ही सत्य समझ बैठा है, तभी तुम्हें उस मार्ग का ज्ञान हो सकता है। अत: कबीर दास जी सहजवस्था को प्राप्ति के लिए कुंडलिनी और सुषुम्ना के मार्ग पर स्थिर रहने के रहस्य और उसको अनुसरण करने के महत्व को समझा रहे है, अर्थात वे आत्मा का परमात्मा से योग कराने में कुंडलिनी शक्ति के महत्व को बता रहे हैं।

कुण्डलिनी जागरण के बिना आत्मा का योग परमात्मा से नही किया जा सकता है। इसका वर्णन कबीर दास जी ने बहुत पहले ही कर दिया था। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग के माध्यम से कुंडलिनी के सूक्ष्म मार्ग के रहस्य को बड़ी ही सरलता से जाना जा सकता और क्षण भर में ही इसका अनुभव भी किया जा सकता है। इस अनमोल अनुभव का आनंद प्राप्त करने के लिए और अपनी आत्मा का योग परमात्मा से घटित करने के लिए सहज योग का अनुभव अवश्य प्राप्त करें, सहजयोग पूर्णतया व सदैव निशुल्क है, क्यूंकि परमात्मा को आप पैसे से खरीद नहीं सकते।

आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

जिसे आप नॉर्मल बुखार समझ रहे वो वायरल फीवर तो नहीं, 10 लक्षणों से समझें

मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से वायरल बुखार का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है, इसके लक्षणों को नजरअंदाज न करें क्योंकि शरीर को तोड़कर रख देगा, नीचे बताए घरेलू उपाय आपको जल्दी आराम देंगे।

कभी बारिश, कभी धूप, कभी गर्मी और कभी सर्दी, इन दिनों मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण वायरल बुखार का खतरा बना हुआ है। यह वायरल इन्फेक्शन के कारण होता है। वायरल इन्फेक्शन को लेकर सबसे बुरी बात यह है कि यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में जल्दी से ट्रांसमिट होते हैं। अक्सर लोग नॉर्मल बुखार और वायरल बुखार को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं। आपको इनके लक्षणों का पता होना चाहिए ताकि सही समय पर सही इलाज किया जा सके।

वायरल बुखार क्या है? मौसम में बदलाव की वजह से वायरल इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है, जीसे आपको तेज बुखार हो सकता है। इसमें आपके शरीर का तापमान ज्यादा बढ़ सकता है। क्लीवलैंड की रिपोर्ट (ऋद्ध) के अनुसार, ऐसा होने से आपको नाक बहना, खांसी, मतली, थकावट और शरीर में दर्द जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। इसके लिए तुरंत मेडिकल इलाज की जरूरत होती है। समझते हैं कि वायरल बुखार किस तरह नॉर्मल बुखार से अलग और डेंजर है और इससे राहत पाने के लिए आपको क्या उपाय करने चाहिए।

वायरल बुखार के इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

सुस्ती- यह वयस्कों में वायरल बुखार के सबसे विशिष्ट लक्षणों में से एक है।

पूरे शरीर में दर्द- वायरल बुखार के रोगियों को अक्सर पूरे शरीर में दर्द और दर्द का अनुभव होता है, खासकर मांसपेशियों में।

शरीर का तापमान बढ़ना- शरीर का तापमान गंभीर संक्रमण का संकेत देता है, बुखार कभी-कभी 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

खांसी, नाक बहना- वायरल बुखार में ठंडक का अहसास होता है, जिससे मरीजों को खांसी और नाक बहने लगती है।

नाक बंद होना- खांसी और नाक बहने के बाद नाक बंद हो जाती है, सांस लेने में कठिनाई होती है, घरघराहट होती है।

सिरदर्द- वायरल फीवर के मरीजों को अक्सर सिरदर्द होता है, खासकर बुखार के बाद।

त्वचा पर लाल चकत्त- कुछ रोगियों की त्वचा पर दाने होते हैं, साथ में बुखार भी होता है।

वायरल बुखार का निदान और इलाज

वायरल फीवर के लक्षणों को देखकर इसका पता लगाना मुश्किल होता है। यही वजह है कि आपको कुछ ब्लड टेस्ट के लिए कहा जा सकता है। वायरस की पहचान के लिए डॉक्टर किसी व्यक्ति को रक्त, थूक और मूत्र की जांच की सलाह दे सकते हैं। नमूनों से डॉक्टर को विभिन्न रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाइफाइड आदि के निदान में मदद मिल सकती है। लक्षणों की गंभीरता के हिसाब से आपका इलाज हो सकता है। डॉक्टर आमतौर पर वायरल बुखार के लक्षणों को कम करने और तापमान कम करने के लिए दवाएं देते हैं। वायरल संक्रमण के इलाज के लिए एसिटामिनोफेन, इबुप्रोफेन, एस्पिरिन और , नेपरोक्सन जैसी एंटीबायोटिक्स दी जा सकती हैं।

क्यों ज्यादातर दुल्हन अपनी शादी में पहनती हैं लाल रंग का जोड़ा? जानें शादीशुदा जीवन से जुड़े इस रंग का रहस्य

पुराने जमाने से हिन्दू शादियों में दुल्हन का जोड़ा लाल ही रहा है। इसके पीछे की क्या वजह है? क्यों सुहागन औरतों के लिए लाल रंग का इतना महत्व है? इस लेख में हम आपको बता रहे हैं। आजकल लड़कियां अपनी शादी में भले ही मर्जी मुताबिक पेस्टल के साथ बोल्ड या हल्के रंग के नए-नए प्रयोगों वाले डिजाइनर कपड़े पहन रही हो, लेकिन पुराने समय से हिन्दू समाज में दुल्हन अपनी शादी के दिन लाल जोड़ा ही पहनते रही है। इस रंग का चुनाव पसंद के इतर कई ऐसी चीजों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसे ज्यादातर लोग जानते ही नहीं है। भारतीय शादियां कई सारी रस्मों के वजह से हमेशा चर्चा में रहती है। इतना ही नहीं पारंपरिक तौर पर लंबे समय से चले आ रहे हैं, इन रस्मों और रीति-रिवाजों के पीछे कई सारे वैज्ञानिक, धार्मिक तर्क भी हैं। इन्हें जानना जितना दिलचस्प है, नकार पाना उतना ही मुश्किल। ऐसे में आज हम आपको हिन्दू शादी में दुल्हन के जोड़े का रंग लाल होने के पीछे की वजह को बता रहे हैं, जो आज से पहले आप कभी नहीं जानते होंगे।

लाल रंग पहनने की धार्मिक वजह

हिन्दू धर्म में देवी-देवताओं को साक्षी मानकर दुल्हा-दुल्हन एक दूसरे के साथ जीवन भर साथ रहने का वचन एक-दूसरे को देते हैं। इतना ही नहीं शादियों में लाल, पीला, हरा जैसे शुभ माने जाने वाले रंगों का ही इस्तेमाल किया है। दुल्हन का जोड़ा लाल होने के पीछे यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक कारण है। शक्ति, प्रेम, शौर्य, ममता की प्रतीक मानी जाने वाली मां दुर्गा को कई रूपों में पूजा जाता है। भगवान शिव की पत्नी पार्वती होने का ही दूसरा रूप होने के कारण मां दुर्गा हमेशा लाल साड़ी, सिंदूर समेत सोहल श्रृंगार में होती हैं। ऐसे में शादी के बाद सुहागन औरतों के लिए लाल रंग का महत्व बढ़ जाता है। माना जाता है, कि इससे शादीशुदा स्त्री पर मां पार्वती का आर्शीवाद हमेशा बना रहता है।

प्यार और फर्टिलिटी का प्रतीक

मनोवैज्ञानिक रूप से, लाल रंग का महत्व अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग हो सकता है। ऐसे में कई जगह लाल रंग प्यार, करुणा, मिलन, जुनून, समृद्धि और आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। तो कुछ लोग इसे वैवाहिक जीवन की यात्रा का भी प्रतीक मानते हैं। इसके अलावा कई जगह पर खून का रंग भी लाल होने से इसे फर्टिलिटी का भी प्रतीक माना जाता है।

शादी को खुशहाल बनाने के लिए

लाल रंग मंगल ग्रह का रंग माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में इस ग्रह का विशेष महत्व है क्योंकि यह माना जाता है कि मंगल आपके विवाहित जीवन में प्यार, समझ, खुशी, समृद्धि सहित सभी अच्छी चीजें लाता है, और साथी के साथ आपके बंधन को मजबूत बनाता है।

सबसे अलग दिखने के लिए

शादी में दूल्हा-दुल्हन सबसे सुंदर और अलग नजर आए इसलिए उन्हें चटक रंग के कपड़े पहनाए जाते हैं। ऐसे में लाल रंग का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। यदि वैज्ञानिक नजरिए से इसे समझा जाए तो लाल रंग का वेवलेंथ सबसे अधिक होता है, जिससे इसे दूर से भी आसानी से देखा जा सकता है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।

WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS

विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।

राजनीति 24 .NEWS

BOOK NOW

8889066688, 9109639404

15 दिन में पहली बार मैट पर ट्रेनिंग करने उतरे पहलवान, एशियन गेम्स के ट्रायल्स की शुरू की तैयारी

भारतीय रेसलर 23 अप्रैल से जंतर मंतर पर धरने पर बैठे हैं। अब तक वह केवल हल्की ट्रेनिंग कर रहे थे लेकिन अब मैट पर अभ्यास करना शुरू कर दिया है।

देश के टॉप रेसलर 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं। उनका खाना-पीना और सोना सबकुछ जंतर-मंतर पर ही हो रहा है। खिलाड़ी अब तक यहां हल्की ट्रेनिंग कर रहे थे लेकिन सोमवार से उन्होंने मैट पर अभ्यास शुरू किया। आने वाली प्रतियोगिताओं से पहले यह खिलाड़ियों के लिए काफी अहम है।

15 दिन बाद मैट पर उतरे खिलाड़ी

आईओए की एड-होक कमेटी ने अपनी पहली बैठक में अंडर 17 और अंडर 23 के ट्रायल्स की तारीख की घोषण की। यह ट्रायल्स एशियन चैंपियनशिप के लिए हैं। इसके बाद ही सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भी ट्रायल्स होंगे। बजरंग, विनेश, साक्षी, सात्यव्रत और संगीता सभी इन ट्रायल्स में हिस्सा लेंगे और इसी कारण उन्होंने 15 दिन बाद मैट पर अभ्यास शुरू कर दिया है।

विनेश-साक्षी ने साथ में किया अभ्यास

अभ्यास कर रहे पहलवानों में से एक ने कहा, 'इस धरने के शुरू होने से एक पहले ही हमने मैट पर अभ्यास किया था। इसके बाद से हम दिन-रात यही रहे जिसके कारण अभ्यास नहीं कर पाए लेकिन हम हर रोज अभ्यास करेंगे।' एक घंटे के सेशन में बजरंग ने जितेंद्र किनहा के साथ अभ्यास किया, साक्षी और विनेश आपस में अभ्यास करती नजर आई। वहीं सत्यव्रत कादियान ने अपने भाई सोमबीर के साथ ट्रेनिंग की।

एशियन चैंपियनशिप में नहीं खेले थे धरना देने वाले पहलवान

एक जून से अस्ताना में रैंकिंग सीरीज इवेंट होनी है। इसके लिए वही टीम चुनी गई है जिसने सीनियर एशियन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। हालांकि धरने पर बैठा कोई भी पहलवान इसका हिस्सा नहीं था । इस साल सितंबर में एशियन गेम्स होने हैं और सभी पहलवान देश के लिए मेडल लाने के दावेदार हैं।

पंजाब पर मिली रोमांचक जीत के बाद नितीश राणा को लगा झटका, कप्तान साहब को भरना पड़ेगा भारी जुर्माना

कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी इस सीजन में नितीश राणा को दी गई है। हालांकि टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सोमवार को पंजाब किंग्स को पांच विकेट से मात देकर रोमांचक जीत हासिल की। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 179 रन बनाए थे। केकेआर ने आखिरी गेंद पर जाकर ये लक्ष्य हासिल किया। हालांकि इस जीत के बाद केकेआर के कप्तान नितीश राणा को बड़ा झटका लगा है.

नितीश राणा पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के समय पर ओवर पूरे न करने के कारण उनके कप्तान पर यह फाइन लगाया गया है। इस टीम के साथ यह पहली बार हुआ है। केकेआर के नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में इस सीजन में केकेआर की कप्तानी नितीश राणा को दी गई है।

नितीश राणा पर लगा जुर्माना

आईपीएल ने अपने बयान में कहा, 'कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा पर फाइन लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ इडन गार्डन्स में खेले गए मैच में समय पर ओवर पूरे नहीं कर सकी. ये उनकी टीम का पहला अपराध है। मिस्टर राणा पर इसके लिए 12 लाख रुपए का फाइन लगाया जा रहा है।' नितीश राणा ये फाइन भरने वाले पहले खिलाड़ी नहीं है। उनसे पहले मुंबई इंडियंस के लिए कप्तानी करते हुए सूर्यकुमार यादव, आरसीबी की कप्तानी करते हुए विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर भी ये बैन लग चुका है।

क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों के मुताबिक अगर कोई टीम समय पर ओवर पूरे नहीं कर पाती है तो उसके कप्तान पर 12 लाख का जुर्माना लगता है। जब दूसरी बार ऐसा होता है तब कप्तान पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगता साथ ही टीम के बाकी खिलाड़ियों की मैच फीस का 25 प्रतिशत या फिर छह लाख रुपए का फाइन लगता है।

आदिपुरुष' का ट्रेलर हुआ रिलीज, राम अवतार में छाए प्रभास

ओम राउत की बहुचर्चित फिल्म 'आदिपुरुष' का ट्रेलर मंगलवार को यहां मुंबई में रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शामिल होने के लिए प्रभास और कृति सेनन हैदराबाद से मुंबई पहुंचे हैं।

प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष के ट्रेलर को लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की बात करें तो राम, सीता और लक्ष्मण का वनवास जाने का क्रम दिखाया गया है। सीता हरण को दिखाया गया है। सबरी के झूठे बेर खाते हुए राम और लक्ष्मण को दिखाए गया हैं। इसके बाद हनुमान मिलन और तुरंत बाद ही जड़ीबूटी लाने वाला सीन दर्शाया गया है। इतना ही नहीं, हनुमान जी जो अंगूठी लेकर सीता माता के पास जाते हैं, उसकी भी झलक ट्रेलर में देखने को मिली है। लंका दहन और उस पर वानर सेना की चढ़ाई भी दिखाई गई है। वहीं सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि रिलीज से कुछ घंटों पहले ही फिल्म का ट्रेलर लीक हो गया। हालांकि इस दावे में कोई सच्चाई नहीं थी। बीते दिन ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए फैंस आदिपुरुष के ट्रेलर पर अपनी राय रखी हैं। कई फैंस का मानना है की टीजर के मुकाबले फिल्म का ट्रेलर काफी जबरदस्त लग रहा है। शायद ऐसा इसलिए क्योंकि मेकर्स ने फिल्म में कुछ बदलाव किए हैं उन्होंने VFX में चेंजेस किए हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म-बता दे कि इस फिल्म को ओम राउत ने डायरेक्टर किया है। आदिपुरुष का ट्रेलर आज यानी 9 मई को रिलीज किया जा चुका है। 16 जून 2023 को 'आदिपुरुष' थिएटर में रिलीज की जाएगी।

विवेक अग्नहोत्री ने ममता बनर्जी को भेजा लीगल नोटिस, कहा- साबित करो द कश्मीर फाइल्स प्रोपेगेंडा है

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लीगल नोटिस भेजा है। फिल्ममेकर ने कहा कि ममता ने उनकी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को प्रोपेगेंडा बताया है। वह अब जवाब दें और साबित करें कि उनके पास इस बात के क्या तथ्य हैं। दूसरी ओर, बंगाल में बैन के खिलाफ द केरल स्टोरी के मेकर्स ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लीगल नोटिस जारी किया है। मंगलवार को इस बाबत डायरेक्टर ने खुद जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोमवार को द केरल स्टोरी पर बैन की घोषणा करने के दौरान मुख्यमंत्री ने उनकी फिल्म द कश्मीर फाइल्स का भी जिक्र किया था। विवेक कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने द कश्मीर फाइल्स और बंगाल जेनोसाइड पर बन रही उनकी अगली फिल्म पर आरोप लगाए और इसे प्रोपेगेंडा बताया। यह आहत करने वाला है और इस कारण उन्होंने ममता बनर्जी को लीगल नोटिस भेजा है। इस कानूनी नोटिस में विवेक अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी से जवाब मांगा है कि अपने भाषण में उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, उसका तथ्य क्या है? इस बीच द केरल स्टोरी के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह ने भी बंगाल में बैन को चैलेंज करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए अग्निहोत्री ने कहा, पिछले कई वक्त से मैं खामोश था। कोई भी मुख्यमंत्री, चाहे तो दिल्ली के चीफ मिनिस्टर हो, या बड़े-बड़े पत्रकार हों, राजनेता हों, ये कभी भी उठकर यह कह देते थे कि The Kashmir Files एक प्रोपेगेंडा फिल्म है। अब मुझे लगा कि बहुत हो चुका है। जो भी यह कहता है कि यह प्रोपेगेंडा है वह आकर यह साबित करे कि इसमें कौन सा डायलॉग, कौन सा सीन, कौन सा फैक्ट प्रोपेगेंडा है। हमारी तरफ से फिल्म के जो प्रोड्यूसर हैं, श्री अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी जी और मैं हमारी तरफ से एक बहुत ही सख्त और लीगल कार्रवाई करेंगे।

वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग की पहल कर भोपाल ने दिया है देश को संदेश - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल नगर निगम और नगरीय प्रशासन बधाई का पात्र

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पर्यावरण और वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग के क्षेत्र में नगर निगम भोपाल ने देश को संदेश दिया है। मध्यप्रदेश न बीमारू रहेगा और न गरीब रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब भोपालवासी स्वच्छता में नंबर 1 आने का संकल्प लें। मध्यप्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से बढ़ेगा। साँची में सोलर सिटी बन रही है। प्रत्येक घर में सोलर एनर्जी से बिजली देने की तैयारी हो गई है। यह आवश्यक है कि भोपाल में भी इस दिशा में पहल की जाए। हम सभी मिल कर राजधानी भोपाल को सौर ऊर्जा नगरी बनाएँ। दो केप्टिव परियोजनाओं के निर्माण का अनुबंध अनुकरणीय और अद्भुत है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में 21 मेगावाट सौर ऊर्जा और 15 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाओं के वर्चुअल शुभारंभ और नगर निगम भोपाल और सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा कंपनियों के मध्य अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान और अन्य जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अनुबंध निष्पादन हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार किया जा रहा है। आज भोपाल नगर के हित में हुआ यह अनुबंध एक अद्भुत पहल है। इसके लिए नगर निगम भोपाल और नगरीय विकास एवं आवास विभाग बधाई के पात्र हैं।

प्रदेश में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर जोर

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में रीवा में सौर ऊर्जा आधारित परियोजना प्रारंभ की गई। आज जीवाष्म ईंधन के उपयोग को कम करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश ने इस दिशा में काफी पहल की है। रीवा की सौर ऊर्जा की परियोजना के बाद नीमच,शाजापुर और अन्य स्थानों पर भी परियोजनाएँ प्रारंभ की गई। अब ओंकारेश्वर में बाँध की सतह पर सोलर में पैनल बिछाने की तैयारी है। ग्लोबलवार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के खतरों को पहचानते हुए धरती को रहने योग्य बनाना है। हमें प्रकृति का दोहन करना है शोषण नहीं करना है। गत एक माह से वर्षा, ओला वृष्टि की स्थिति बनी हुई है। अनेक स्थानों पर बाढ़ और सूखे की स्थिति देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल स्वच्छतम राजधानी है। यह देश के स्वच्छतम नगर के रूप में भी पहचान बना सकता है। इसके लिए भी संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विकास दर, प्रति व्यक्ति आय, कृषि क्षेत्र और देश की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश के योगदान संबंधी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में नर्मदा, विन्ध्य, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे के साथ ही अटल एक्सप्रेस-वे के कार्य हो रहे हैं। चंबल क्षेत्र जो दस्यु समस्या के लिए कुख्यात था अब चंबल सफारी के नाम से जाना जाएगा। पर्यटन का विकास हो रहा है। करीब 20 वर्ष पूर्व तत्कालीन सरकार द्वारा भोपाल में नर्मदा जल लाने को असंभव माना था। आज भोपाल ही नहीं मालवा अंचल के अनेक नगर नर्मदा जल से लाभान्वित हो रहे हैं।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार भोपाल को आज बहुत बड़ी सौगात मिल रही है। सौर और पवन ऊर्जा का यह प्रोजेक्ट भोपाल नगर के लिये ऊर्जा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह के प्रोजेक्ट अन्य नगर निगमों और नगरपालिकाओं में भी लगाये जा सकते हैं। इस प्रोजेक्ट से प्रतिवर्ष भोपाल नगर निगम को 14 करोड़ रूपये की बचत होगी। आगामी समय में इसमें और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की इच्छा-शक्ति से प्रदेश नगरीय विकास की सभी योजनाओं में देश में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहा है। साथ ही सभी शहरों का समुचित और समन्वित विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश आज देश के 5 अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि भोपाल नगर निगम को अगले 25 वर्ष तक समान दर से बिजली उपलब्ध रहेगी जबकि बिजली की दरें बढ़ती जाएंगी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुआ है। भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा कि जल प्रदाय के कार्य में काफी अधिक बिजली का उपयोग होता है। वर्तमान में 12 करोड़ रूपए प्रति माह बिजली का खर्च हो रहा है। अगले 25 वर्ष के लिए बचत की योजना 2

नगर निगम भोपाल ने किया अनुबंध

परियोजनाओं से क्रियान्वित होगी। करीब 14 करोड़ रूपये की सालाना बचत होगी। नगर निगम के सभी जोनल ऑफिस में सोलर प्लांट लागए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से नगर निगम भोपाल की 60 प्रतिशत विद्युत मांग की पूर्ति हो जाएगी।

प्रारंभ में अतिथियों का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया। सांसद सुश्री साध्वी प्रज्ञा सिंह, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल के पूर्व महापौर श्री आलोक शर्मा, बीडीए अध्यक्ष श्री कृष्ण मोहन सोनी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री राजेश हिंगोरानी, जन-प्रतिनिधि, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई उपस्थित थे।

परियोजनाओं के उल्लेखनीय पहलू

देश में किसी भी नगरीय निकाय द्वारा लगाई जाने वाली प्रथम ग्रिड संयोजित ओपन एक्सेस परियोजनाएँ हैं।

मध्यप्रदेश में स्थापित होने वाली प्रथम हाइब्रिड परियोजनाएँ हैं, जिनमें सौर एवं पवन ऊर्जा का उपयोग एक साथ होगा।

पॉवर बैंकिंग विनियम पर आधारित प्रथम नवीकरणीय परियोजनाएँ हैं।

इन परियोजनाओं से नगर निगम भोपाल की लगभग 60 प्रतिशत विद्युत मांग की पूर्ति होगी।

10 मई को अलीराजपुर से शुरू होगा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का दूसरा चरण

मुख्यमंत्री श्री चौहान करेंगे शुभारंभ

आमजन से जुड़ी 67 प्रमुख सेवाओं और लंबित शिकायतों का निकाला जाएगा हल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की अभियान तैयारियों की समीक्षा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 10 मई को अलीराजपुर से मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 10 से 25 मई तक मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान संचालन का निर्णय लिया गया था। जिलों में इस संबंध में आवश्यक तैयारियाँ कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज रायसेन, सीहोर, देवास, धार, भोपाल, सीधी, उज्जैन, दतिया, खरगोन और ग्वालियर सहित विभिन्न जिलों के कलेक्टर्स से अभियान संबंधी तैयारियों की चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूर्व में संचालित अभियान सफल रहे हैं। अभियान के प्रथम चरण, विकास यात्राएँ और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए किए गए पंजीयन का अभियान लोकप्रिय और सार्थक रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य यही है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले। उन्हें बिना लिए-दिए, समय पर बिना परेशानी के सेवा प्राप्त हो। जनता से जुड़े कार्यों में गड़बड़ करने वालों को दंडित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं ग्राम और शहरों में जाकर अभियान का जायजा लेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिलों के प्रभारी मंत्री भी जन सेवा अभियान में भागीदारी करेंगे। लंबित आवेदनों पर विभागों द्वारा समयबद्ध कार्यवाही होना चाहिए। नई प्राप्त शिकायतों को भी हल किया जाएगा। आम जनता को भटके बिना उनके द्वार पर सेवा देने के लिए कलेक्टर्स जिला स्तर पर आवश्यक रूपरेखा बना लें। जिलेवार स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विश्लेषण भी किया जाए। आम जनता से जुड़ी 67 प्रमुख सेवाओं में प्रमुख रूप से जन्म मृत्यु प्रमाण-पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, बँटवारा, अविवादित नामांत्रण, भवन अनुज्ञा, वाहनों का पंजीयन शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता की समस्या का असल निराकरण होना चाहिए। यह कार्य सिर्फ कर्मकाण्ड नहीं होना चाहिए। अभियान में हुई कार्रवाई कलेक्टर्स की कर्मठता की परीक्षा भी है। अपने जिलों को समस्या विहीन बनाने का कार्य करें। वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाने की रूपरेखा निर्धारित कर ली जाए। नए आवेदन पत्रों पर भी कार्यवाही की जाए। इन प्रयासों से यह अभियान सार्थक होगा।

मुख्यमंत्री ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारियाँ जानी, भोपाल में 12 मई को गो-रक्षा सम्मेलन होगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संबंधित कलेक्टर्स से बातचीत कर आगामी सप्ताह विभिन्न जिलों में हो रहे कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। मख्यमंत्री श्री चौहान ने 11 मई को मंदसौर जिले में महिला सम्मेलन और दाब युक्त सूक्ष्म वृहद परियोजना के भूमि-पूजन, 12मई को भोपाल के लालपरेड मैदान में गो-रक्षा संकल्प सम्मेलन और प्रदेश के सभी विकास खण्डों में 400 पशु एवं मवेशी एम्बुलेंस के लोकार्पण, 12 मई को ही सतना जिले के अमरपाटन और 13 मई को उमरिया जिलें में होने वाले महिला सम्मेलन संबंधी की जा रही तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए।

पीड़ित मानवता की सेवा मानव का सबसे बड़ा धर्म- राज्यपाल श्री पटेल

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जन-सेवा का दिलाया संकल्प

रेडक्रॉस की वेबसाइट एवं वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

बच्चों को स्वयं की बचत से समाज सेवा करने के लिए किया प्रेरित

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पीड़ित मानवता की सेवा ही मानव का सबसे बड़ा धर्म है। राज्यपाल 8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस पर समन्वय भवन में एक दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज विश्व रेडक्रॉस दिवस के साथ ही विश्व थैलेसीमिया दिवस भी है। रेडक्रॉस की स्थापना युद्ध के दौरान घायल सैनिकों को त्वरित सेवा एवं सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से श्री हेनरी ड्यूना ने की थी। रेडक्रॉस मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, एकता और सार्वभौमिकता के सिद्धांतों पर आधारित स्व-प्रेरित सेवा है। रेडक्रॉस अभियान के मूल में भारतीय संस्कारों और संस्कृति के सिद्धांत निहित हैं। प्रत्येक नागरिक का दायित्व नियमित रूप से रक्त-दान कर थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया के मरीजों की सहायता करना है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वर्तमान में रेडक्रॉस विश्व के कई देशों में सोसायटी एवं अस्पताल के माध्यम से समाज-सेवा का कार्य कर रहा है। बच्चों को शिक्षा एवं खेल की सुविधा देने के साथ ही उनमे समाज-सेवा की भावना विकसित करना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना की गई है, जिसमें स्कूल के बच्चे रेडक्रॉस से जुड़ सकते हैं। एक दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी के क्षेत्रीय सम्मेलन में बच्चों को समाज सेवा के नवाचारों से जोड़ा जायेगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जूनियर रेडक्रॉस शाखा में 18 हजार से अधिक स्कूल के 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राएँ शामिल हैं। आज विश्व की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और निरक्षरता है। स्कूल का प्रत्येक बच्चा जागरूक होकर बड़ा परिवर्तन ला सकता है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पूरा विश्व एक परिवार है। भारतीय दर्शन में वसुधैव कुटुम्बकम के सूत्र को आधार मानते हुए पीड़ित मानवता की सेवा परम कर्त्तव्य है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के कथन को याद दिलाते हुए कहा कि सेवा करने का मौका भी सौभाग्य से मिलता है। सेवा कभी खाली नहीं जाती। मानवता की सेवा और कल्याण के कार्यों को दिनचर्या में शामिल करें। राज्यपाल श्री पटेल एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार द्वारा रेडक्रॉस की वेबसाइट www.redcrossmp.org एवं वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया।

देश में पहली बार 'स्मार्ट फैमेली एप' जिसमें परिवार को मिलेगी हर जरूरी जानकारी

इंदौर। इंदौर की संस्कृति और संस्कार ही कुछ ऐसे हैं कि यह शहर देश-दुनिया को अनेक मामलों में रोशनी दिखाता आया है। अहिल्याबाई होलकर के शासन में इस नगरी में जल संरक्षण और संस्कारों के पोषण की जो मशाल प्रज्जवलित हुई थी, वह एक बार फिर देश में सामाजिक सरोकार का उजास फैलाने के लिए तैयार है। रविवार को यहां भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) की मध्य प्रदेश इकाई ने प्रदेश के छह जिलों को जल संकट से मुक्त करने का संकल्प लिया। साथ ही देश के 14 लाख स्कूलों में संस्कारों के जागरण का बीड़ा भी उठाया। इंदौर में जली सरोकार की यह मशाल देश में मिसाल बनेगी।

भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) की मध्य प्रदेश इकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पदग्रहण समारोह रविवार को अनेक सौगातें लेकर आया। रवींद्र नाट्यगृह के मंच पर हुए इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मूथा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ ने संभवत: देश में पहली बार एक ऐसे 'स्मार्ट फैमेली एप' का शुभारंभ किया, जिसमें जैन परिवार के लिए उन सभी जानकारियों का समावेश किया गया है, जिनके माध्यम से परिवार की संपत्ति से लेकर अचानक बीमार हो जाने, पासपोर्ट एवं ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता अवधि, आयकर से संबंधित जानकारियों के साथ ही प्रत्येक परिवार के लिए वित्तीय योजनाओं के बारे में छोटी से छोटी बातों पर मार्गदर्शन दिया गया है। इसके साथ ही घोषणा की गई कि अब हम मध्य प्रदेश के छह जिलों इंदौर, बड़वानी, खंडवा, सागर, उज्जैन और विदिशा को प्रथम चरण में जल संकट से मुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार के साथ एमओयू करेंगे तथा दूसरे चरण में 38 अन्य जिलों में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

इसके अलावा बच्चों को संस्कारित करने हेतु देश के 14 लाख स्कूलों में संस्कार आधारित पर्यावरण बनाने तथा नई पौध को तैयार करने हेतु पाठ्यक्रम बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। संघटना की प्रदेश इकाई के साथ 28 अन्य चैप्टरों के पदाधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में देश के निर्माण में सहयोग देने की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा नवकार मंत्र के मंगलाचरण के बीच दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंच पर किसी अतिथि के लिए न तो कोई कुर्सी थी और न ही किसी तरह के स्वागत की रस्म अदा की गई।

राज्य इकाई के नए अध्यक्ष राजेश मेहता ने स्वागत भाषण जरूर दिया और कहा कि हम 'स्मार्ट फैमेली एप' के माध्यम से पहले जैन परिवारों को जोड़ेंगे, उसके बाद प्रत्येक भारतीय परिवार तक यह एप पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ ने कहा कि हमने 2005 से 'स्मार्ट गर्ल प्रोजेक्ट' चलाकर 300 प्रशिक्षकों की मदद से अब तक लाखों बेटियों को इससे जोड़ा है। हमारी बेटियां समाज में पनप रही दूषित संस्कृति की आग से कैसे बचें, यही हमारा पवित्र संकल्प है। सही पार्टनर मिल जाना शादी नहीं है, बल्कि सही पार्टनर बन जाना ही शादी है।

भाजपा महासचिव विजयवर्गीय ने इंदौर में निश्शुल्क दिखाई फिल्म

इंदौर । धोखा और दबाव देकर महिलाओं के मतांतरण के विषय पर बनी द केरल स्टोरी फिल्म को लेकर समाज में खासी चर्चा है। इस मामले में भाजपा नेताओं ने समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों और महिलाओं को जागरूक करने के लिए इस फिल्म के विशेष आयोजन करना शुरू किए हैं।

रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भी इंदौर के मल्हार मेगा मॉल के मल्टीप्लेक्स में फिल्म के दोपहर के शो के सारे टिकट बुक करके कई लोगों को निश्शुल्क यह फिल्म दिखाई। भाजपा नेता विजयवर्गीय के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, विधायक रमेश मेंदोला, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, राजेंद्र राठौर, बबलू शर्मा सहित विभिन्न भाजपा पदाधिकारियों और महिला कार्यकर्ताओं ने भी यह फिल्म देखी।

जागरूकता के लिए सबको देखना चाहिए यह फिल्म

इस दौरान विधायक आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि द केरल स्टोरी बहुत हिम्मत और मेहनत से बनाई गई फिल्म है। इसमें महिलाओं को बरगलाकर मतांतरण का विषय उठाया गया है, जो जागरूकता के लिहाज से सबको देखना चाहिए।

भाजयुमो सात दिन तक निश्शुल्क दिखाएगा फिल्म

इस बीच भारतीय जनता युवा मोर्चा ने तय किया है कि वह सोमवार से अगले सात दिन द केरल स्टोरी के शो दिखाएगा। मोर्चा के नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने बताया कि यह फिल्म इंदौर के विभिन्न सिनेमाघरों में विधानसभावार निश्शुल्क दिखाई जाएगी। मोर्चा इसे अभियान की तरह चलाएगा। सोमवार को मल्हार मेगा मॉल के कार्निवाल थिएटर में इस फिल्म का शो रखा गया है।

नशे के लिए गुंडों का उत्पात, तीन को मारे चाकू

अलग-अलग स्थानों पर हुई घटना

इंदौर। शहर में पुलिस भले ही नशेड़ी बदमाशों पर शिकंजा कसते हुए कार्रवाई करें, लेकिन इसके बाद भी इनमें पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कल अलग-अलग स्थानों पर नशेड़ी गुंडों ने उत्पात मचाते हुए नशे के लिए रुपए नहीं देने पर तीन लोगों को चाकू मारकर घायल कर दिया और भाग निकले।

पहली घटना सदर बाजार थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार नारायण पिता शंकर लाल साहू (48) निवासी जूना रिसाला ने पुलिस को बताया कि रात में क्षेत्र में रहने वाले गुंडे राहुल ने उसे रोका और शराब पीने के लिए दो हजार रुपए मांगे नहीं दिए तो उस पर चाकू से हमला कर फरार हो गया । सदर बाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। चाकूबाजी की एक अन्य घटना संयोगितागंज थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने फरियादी जितेंद्र चौधरी की शिकायत पर अशोक बर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि आरोपी अशोक ने शराब पीने के लिए 100 रुपए मांगे नहीं दिए तो गालियां देने लगा और चाकू मार कर भाग गया ।

इसी प्रकार इंदिरा एकता नगर में रहने वाले कैलाश पिता उमाशंकर राठौर ने पुलिस को बताया कि कल रात के समय ड्यूटी घर जा रहा था तभी घर के पास रोहित उर्फ यशवंत वर्मा ने रोका और गांजा पीने के लिए 200 रुपए मांगे नहीं दिए तो उसे चाकू मार कर भाग गया। तीनों ही मामलों में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पांच महिलाएं हुई दहेज प्रताडऩा की शिकार

पति और ससुराल वालों पर दर्ज कराए प्रकरण

इंदौर। अलग-अलग स्थानों पर पांच महिलाओं को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, इससे तंग आकर सभी ने पुलिस की शरण लेते हुए पति और ससुराल वालों पर प्रकरण दर्ज कराए हैं।

ललिता परमार (34) निवासी ग्राम छपरिया बडगोंडा को मायके से दहेज कम देने की बात को लेकर पति दिनेश परमार एवं अन्य परिजनों ने प्रताड़ित कर उसे घर से बेदखल कर दिया। मानपुर पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है । दहेज प्रताडऩा का एक अन्य मामला छत्रीपुरा थाने में दर्ज हुआ। फरियादी रेखा चौहान (27) साल निवासी समाजवादी इंदिरा नगर ने पुलिस को बताया कि उसे मायके से दो लाख रुपए लाने के लिए पति भारत चौहान सांस निर्मला चौहान ससुर सुनील चौहान आदि ने प्रताड़ित किया।

इसी प्रकार फरियादी पूजा यादव (25) निवासी सुखलिया ने पुलिस को बताया कि उसे मायके से 5 लाख रुपए और जेवर की मांग को लेकर पति बलराम यादव निवासी मंडलेश्वर और अन्य परिजनों ने प्रताड़ित कर उसे घर से निकाल दिया। हिरा नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। शद्दढ्डु मुखर्जी नगर बाढ़ गंगा में रहने वाली 26 वर्षीय रंजीता पाल ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी पलकेश निवासी बड़वानी से हुई। शादी के बाद से ही उसे पति पलकेश सास मीरा देवी पाल ससुर कुंदन सिंह पाल श्वेता पाल आदि ने प्रताड़ित कर जान से मारने की धमकी दी। बाणगंगा पुलिस ने सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

उधर, फरियादी दीपिका जोशी (28) निवासी टेलीफोन नगर की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति मनोज जोशी सास मंजुला जोशी ससुर बाबूलाल जोशी आदि के खिलाफ दहेज प्रताडऩा की धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी दीपिका को मायके से कार लाने के लिए प्रताड़ित किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)